

दैनिक



www.currentcrime.com

करंट क्राइम

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली | गुरुवार 05 फरवरी -2026

● वर्ष : 11 अंक : 47 पेज-08

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य : ₹3



कर्नाटक विधानसभा में एंटी 'वीबी जी राम जी' प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित



कांग्रेस सरकार ने मन्नेरेगा को वापस लाने की मांग की

बंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें 'वीबी जी राम जी' अधिनियम को तुरंत रद्द करने और यूपीए शासनकाल के मन्नेरेगा को उसकी मूल स्थिति में पुनर्स्थापित करने की मांग की गई। भाजपा ने इस प्रस्ताव का जमकर विरोध किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के मंगलवार को पेश किए प्रस्ताव में कहा गया कि 'वीबी जी राम जी' अधिनियम, जिसे केंद्र ने 'एकतरफा' तरीके से लागू किया है, ये

संघीय मूल सिद्धांतों और ग्रामीण लोगों के आजीविका के अधिकार के लिए हानिकारक है।"

प्रस्ताव में कहा गया, "कर्नाटक के ग्रामीण लोगों के जीवन के अधिकार की रक्षा के लिए, यह सदन केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह विकसित भारत-रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) अधिनियम को तुरंत रद्द करें, जो संघीय सिद्धांत के खिलाफ है। ये राज्य के खजाने पर बड़ा बोझ है और विकेंद्रीकरण के सिद्धांत के खिलाफ है। ग्राम पंचायतों के अधिकारों और शक्तियों को छीन लेता है और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मन्नेरेगा) को उसकी मूल स्थिति में पुनर्स्थापित करे।

तीन सगी बहनों ने 9वीं मंजिल से एक साथ छलांग लगाकर दे दी जान सुसाइड नोट में लिखा मम्मी-पापा सॉरी, पुलिस कर रही है पूरे मामले की जांच



गाजियाबाद, करंट क्राइम। ट्रांस हिंडन जोन के टीलामोड थानाक्षेत्र स्थित भारत सिटी सोसाइटी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां तीन नाबालिग सगी बहनों ने एक साथ 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों नाबालिग बहनों कोरियन कल्चर और ऑनलाइन गेमिंग से अत्यधिक प्रभावित थीं। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है मम्मी-पापा सॉरी। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों नाबालिग बहनों पानी पीने के बहाने अपने कमरे से बाहर निकली थीं और



बालकनी से जुड़े कमरे में पहुंच गईं। वहां उन्होंने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। बालकनी में रखे स्टूल का इस्तेमाल कर तीनों ने 9वीं मंजिल से छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और

तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस पूरे मामले पर डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों नाबालिग बच्चियां कोरियन कल्चर से काफी अधिक प्रभावित थीं। परिजनों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने के बाद वे मानसिक रूप से आहत थीं। फिलहाल किसी विशेष गेम या एप की पुष्टि नहीं हुई है। सुसाइड नोट बरामद किया गया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि पूरे मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

चश्मदीन ने बताया आंखों देखा हाल

करंट क्राइम : घटना के समय सामने वाले फ्लैट में मौजूद कंटेनर क्रिएटर अरुण कुमार ने बताया कि उन्होंने बालकनी में कुछ हलचल देखी थी। शुरुआत में ऐसा लगा कि कोई व्यक्ति परेशानी में है और बाकी उसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कुछ ही पलों में तीनों नौवे गिर गईं। पूरी घटना कुछ मिनटों में ही घटित हो गई। सोसाइटी के अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के जाईड सेक्रेटरी राहुल कुमार झा ने बताया कि पुलिस के साथ फ्लैट में प्रवेश करने पर कमरे से कोरियन गेम और कोरियन संस्कृति से जुड़े कई फोटो जमीन पर गोल घरा बनाकर रखे मिले। इसके अलावा एक पैंकेट डायरी और सुसाइड नोट भी बरामद किया गया। परिजनों ने पुलिस को यह भी बताया कि बच्चियों के मोबाइल फोन के वॉलपेपर पर उनकी तस्वीरों के साथ कोरियन नाम लिखे हुए थे।

मोबाइल पर रोक से बढ़ा मानसिक तनाव

करंट क्राइम : पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि तीनों बच्चियां मोबाइल फोन और ऑनलाइन गेमिंग से अत्यधिक इस्तेमाल करती थीं। इसी कारण परिजनों ने हाल के दिनों में मोबाइल फोन का इस्तेमाल बंद कर दिया था, जिससे बच्चियां मानसिक रूप से तनाव में थीं। पुलिस के अनुसार, तीनों नाबालिग बहनों पिछले करीब दो वर्षों से स्कूल नहीं जा रही थीं और अधिकांश समय घर पर ही रहती थीं।

इलाके में शोक का माहौल

करंट क्राइम : घटना के बाद से भारत सिटी सोसाइटी में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोग घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस ने परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है, यह घटना बच्चों में बढ़ती डिजिटल लत, मानसिक स्वास्थ्य और ऑनलाइन गेमिंग के प्रभाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। पुलिस जांच जारी है और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पूरी तस्वीर सामने आएगी।

हाउस टैक्स वृद्धि केस में आज होगी हाईकोर्ट में सुनवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाईकोर्ट में आज गाजियाबाद के हाउस टैक्स वृद्धि मामले में सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि दस महीने से यह केस हाईकोर्ट में चल रहा है। हाउस टैक्स बढ़ाये जाने के विरोध में भाजपा के दो पूर्व सीनियर पाथों ने कर वृद्धि के विरोध में रिट दाखिल की थी।

भाजपा के पूर्व सीनियर पार्थद राजेन्द्र त्यागी और पूर्व पार्थद तथा पूर्व जीडीए बोर्ड सदस्य हिमांशु मित्तल ने हाईकोर्ट में ये याचिका माह मई में याचिका दाखिल की थी। वहीं दूसरी तरफ 30 जून को हुई बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव सर्वसम्मति से निरस्त हो गया था। याचिका दाखिल होने के बाद नगर निगम ने भी इस मामले में अपने अधिवक्ता किये और कोर्ट में

मीलॉर्ड करेंगे रिट को एलाउ या डिसएलाउ



हलफनामा दाखिल किया। तब से लगातार तारीखें चल रही हैं और निगम की ओर से हाईकोर्ट में जा रहे मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ने तो ये भी आरोप लगाया था कि याचिकाकर्ताओं के वकील सुनवाई के समय उपस्थित नहीं होते हैं। इस मामले में 3 फरवरी को सुनवाई हुई थी और बताया जाता है कि 3 फरवरी वाली सुनवाई में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच लगभग 2 घंटे की बहस हुई थी। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस मामले में 5 फरवरी की डेट लगाई थी। आज यानी 5 फरवरी को हाईकोर्ट में हाउस

टैक्स वृद्धि केस की सुनवाई होगी। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता तथा पूर्व पार्थद पूर्व जीडीए बोर्ड सदस्य हिमांशु मित्तल ने कहा कि हमने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में कहीं भी तीन गुना टैक्स वृद्धि नहीं हुई है और ना ही निगम को ये अधिकार है कि वो ऐसा करे। उन्होंने कहा कि टैक्स वृद्धि के मामले में विधिवत रूप से नियमों का पालन नहीं किया गया है। हिमांशु मित्तल ने कहा कि टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव नगर आयुक्त ला सकते हैं। उन्हें ये अधिकार है लेकिन इस प्रस्ताव का अनुमोदन निगम का बोर्ड ही करता

है। जहां तक शासन की बात है तो निगम का एक ही शासन ने बनाया है और शासन को भी टैक्स बढ़ाने का अधिकार नहीं है। टैक्स की दर तय करने का अधिकार नगर निगम के बोर्ड को होता है। बहरहाल आज हाईकोर्ट में सुनवाई होगी और ये माना जा रहा है कि लगभग दोनों पक्ष अपना अपना तर्क रख चुके हैं। दोनों पक्षों के अधिवक्ता अपनी जिरह पूरी कर चुके हैं और अब केवल अदालत को फैसला सुनाना है। 10 महीने से चल रही ये कानूनी लड़ाई अब किसी निर्णय पर पहुंचने की तैयारी में है। आज जब हाईकोर्ट में तारीख होगी तो यहाँ मामले की सुनवाई कर रहे जज इस पर रिट एलाउ या रिट डिसएलाउ का डिस्जोन सुना सकते हैं।

गाजियाबाद नगर निगम : संवैधानिक सत्रों के फेर में फंसी सदन की बैठक, मेयर की मंशा साफ

सत्र समाप्त होते ही हाउस टैक्स जैसे अहम मुद्दों पर होगा फैसला

लोकसभा-विधानसभा सत्रों के चलते टली बैठकें

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम की सदन बैठक को लेकर बनी स्थिति यह साफ संकेत देती है कि मेयर सुनीता दयाल सदन की बैठक कराना चाहती हैं, लेकिन लगातार बने संवैधानिक और व्यावहारिक हालात उनके प्रयासों के आड़े आ गए। मेयर द्वारा 2 जनवरी 2026 को सदन की बैठक आयोजित की गई थी, किंतु 28 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक लोकसभा सत्र चलने के कारण आवश्यक उपस्थिति और परिस्थितियाँ नहीं बन सकीं, जिससे बैठक आयोजित नहीं हो पाई।

इसके बाद मेयर की मंशा 14 फरवरी 2026 को सदन की बैठक कराने की थी, परंतु 9 फरवरी 2026 से विधानसभा सत्र शुरू हो जाने के कारण एक बार फिर परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं रहीं और बैठक संभव नहीं हो सकी।

मेयर कार्यालय से जारी संदेश में स्पष्ट किया गया है कि विधानसभा सत्र समाप्त होते ही सदन की बैठक कराना सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में नगर निगम से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। बताया गया है कि मेयर का रुख पहले से स्पष्ट रहा है कि हाउस टैक्स जैसे अहम विषय पर वही निर्णय लिया जाएगा, जिस पर सदन में पहले सहमति बनो थी। ऐसे में आगामी बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर इस मुद्दे को औपचारिक रूप देने की तैयारी की जा रही है। राजनीतिक हलकों में इसे मेयर की प्रतिबद्धता और प्रक्रियामत अनुशासन के रूप में देखा जा रहा है।

देरी को इच्छाशक्ति की कमी से जोड़ने के बजाय, यह स्थिति बताती है कि मेयर परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ते हुए सदन को लेकर सक्रिय बनी हुई हैं। कुल मिलाकर, यह साफ है कि मेयर की मंशा बैठक कराने की है, और जैसे ही सत्रों का दबाव समाप्त होगा, सदन बैठक बुलाकर लंबित मुद्दों पर निर्णय की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।



यह साफ है कि मेयर की मंशा बैठक कराने की है। सत्रों का दबाव समाप्त होते ही बैठक बुलाकर लंबित मुद्दों पर निर्णय की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

अगर समय से होती बोर्ड बैठक तो ना होते ये हालात : प्रवीण चौधरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम के अलग अलग मुद्दों को लेकर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी मुखर होकर सामने आये। प्रवीण चौधरी का एक अंदाज है और ये है कि वो अनावश्यक विवाद से दूर रहते हैं। लेकिन बात अगर नीतिगत मामलों की आ गयी तो फिर वो अपनी बात को मजबूत तरीके से रखते हैं। उन्होंने बोते दिनों कहा था कि पाथों के सम्मान और हितों की रक्षा करेंगे। प्रवीण चौधरी निगम पार्थद हैं और वो निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष भी हैं। बुधवार को उन्होंने कहा कि अगर बोर्ड बैठक समय से होती तो ये हालात नहीं होते। उन्होंने कहा कि आज निगम की स्थिति ये है कि यहां कई मुद्दों पर टकराव है और कई मुद्दे बुरी तरह से उलझ चुके हैं। वो बोर्ड बैठक के लम्बे समय से ना होने पर नाराज थे। उन्होंने कहा कि ना नगर निगम की बोर्ड बैठक समय से हो पा रही है और ना निगम कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। वहां पर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि जो हालात चल रहे हैं उसे देखकर तो यही कहा जा सकता है कि अगर पांच साल में ही एक बार



निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि वो आशा करते हैं कि मेयर जल्द ही बोर्ड बैठक कराने के अपने वचन पर खरा उतरेंगी।

बोर्ड बैठक हो जाये तो गनीमत समझो। उन्होंने कहा कि वाई तो बैठक ना होने से पार्थद अपने मुद्दों को नहीं रख पा रहे। उन्होंने कहा कि पाथों में रोष व्याप्त है। यहां पर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि वो आशा करते हैं कि मेयर सुनीता दयाल ने जल्द ही बोर्ड बैठक कराने की जो बात कही है वो अपने वचन पर खरा उतरेंगी। जल्द ही बोर्ड बैठक होगी और पाथों को भी निराशा से मुक्ति मिलेगी।

थाईलैंड में आयोजित एशिया लीजेंड कप पर भारत का कब्जा भारतीय वेटर्न टीम ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया



वीवीआईपी मैन प्रवीण त्यागी ने लहरा दिया विदेश में भारत का परचम

करंट क्राइम। कहने को प्रवीण त्यागी एक विख्यात व्यवसायी हैं। वीवीआईपी ग्रुप के सीएमडी होने के साथ-साथ विभिन्न व्यावसायिक कार्यों से जुड़े हैं। बावजूद इसके वो अख्यत्त, सामाजिक कार्य व खेल गतिविधियों को भी प्रमोट करने में कहीं पीछे नहीं रहते। उनकी हमेशा यही संकल्प रहता है कि जहां क्षेत्र की प्रतिभाएं विभिन्न आयामों में निकलकर सामने आए। वहीं भारत की ख्याति भी दुनिया में हर जगह दिखाई दे। यही वजह है कि उन्होंने वीवीसीआई की स्थापना की। उद्देश्य यही था कि 40 वर्ष से ऊपर के खिलाड़ियों को फिर से बड़े प्ले ग्राउंड और मौके मिलें। वीवीसीआई के जरिए उन्होंने एक मील का पत्थर स्थापित किया। जो प्रतियोगिता कभी हिन्दुस्तान में होती थी। उसको थाईलैंड में आयोजित कराया। जिसमें कई विदेशी टीमों ने हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि प्रतियोगिता के सम्मान में हिन्दुस्तान की टीम ने बांग्लादेश की टीम को करारी शिकस्त दी। जाहिर सी बात है कि इस पूरी पटकथा की प्रेरणा प्रवीण त्यागी ने तैयार की थी। जिसका रिजल्ट इस शानदार जीत और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में निकलकर सामने आया है।



गाजियाबाद, करंट क्राइम। वीवीसीआई तथा समस्त भारतवासियों के लिए बुधवार का दिन गर्व का दिन रहा। थाईलैंड में आयोजित एशिया लीजेंड कप में भारतीय वेटर्न क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश की टीम को 4 विकेट से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। टॉस जीतकर बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने



अनुशासित प्रदर्शन करते हुए रनगति पर अंकुश लगाए रखा। इसकें जवाब में भारतीय टीम ने संयमित और आत्मविश्वास से भरी बल्लेबाजी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 6 विकेट

दीपक शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 76 रन की नाबाद पारी खेली और अपने शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किए गए। वहीं, पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी कलीम खान को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। इस रोमांचक फाइनल मुकाबले को देखने के लिए गाजियाबाद के उद्योगपति सुदन रावत, विभा रावत तथा सुमन त्यागी (पत्नी प्रवीण त्यागी) भी उपस्थित रहीं और भारतीय टीम की जीत का उत्साहवर्धन किया। इस ऐतिहासिक जीत पर भारतीय वेटर्न क्रिकेट टीम एवं वीवीसीआई के सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी कलीम खान को 'मैन ऑफ द सीरीज' का खिताब मिला।

खोकर 124 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया। रवीन्द्र त्यागी (सचिव एशियन वेटर्न क्रिकेट चैंपियनशिप थाईलैंड) ने बताया कि भारत की जीत में दिल्ली के खिलाड़ी

दैनिक



www.currentcrime.com

करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

नई दिल्ली | गुरुवार

05 फरवरी -2026

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

साहिबाबाद वाली बैठक में संगठन ने दिया पार्षदों को स्पष्ट निर्देश अगला टिकट चाहते हो तो करना होगा पूरा वोटर लिस्ट का ये टारगेट



गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसआईआर अभियान को लेकर सबसे ज्यादा घमासान देश की सबसे बड़ी विधानसभा साहिबाबाद में मचा है। यहां पर संगठन से लेकर सरकार के चेहरे पर चिंता की लकीरें हैं। इसकी वजह भी है कि यह ऐसी विधानसभा है जहां भाजपा को सबसे बड़ा और स्पष्ट जनादेश मिला



है। लेकिन यहां पर एसआईआर अभियान में भाजपा को डाटा वाला घाटा हो गया। बीएलओ भी लगे और बीएलए भी लगे। उसके बावजूद यहां अभियान का फल नहीं आया और गति काफी स्लो रही। खुद मुख्यमंत्री ने लखनऊ वाली बैठक में कई बार साहिबाबाद का नाम लिया। अब भाजपा को एक बड़ी उम्मीद फार्म 6 अभियान से है क्योंकि बड़ी

संख्या में वोट एसडी के हाथों चले गये हैं। शिफ्टिंग का एक बड़ा फैक्टर रहा है। अब संगठन इस बात पर फोकस कर रहा है कि इस डाटा के घाटे की पूर्ति कैसे की जाये। बुधवार को साहिबाबाद विधानसभा में एसआईआर अभियान को लेकर बैठक हुई। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री तथा साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा मौजूद थे। इस बैठक में महानगर

अध्यक्ष मयंक गोयल भी पहुंचे। बताया जाता है कि इस बैठक में पार्षदों को स्पष्ट निर्देश दिये गये। पार्षदों को बता दिया गया कि उन्हें कितने वोट बनवाने हैं और ये भी बता दिया गया कि जितनी अधिक सीटिंग अब रहेगी उतना ही वोट का डाटा स्टैंड करेगा। बैठक का सार ये रहा कि अब फार्म 6 से आस है और फार्म 6 पर भाजपा फोकस करके चल

रही है। बैठक में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने पार्षदों को एहसास कराया कि मुख्यमंत्री स्वयं बैठक में साहिबाबाद को लेकर कई बार कह चुके हैं और ये हम सबके लिए चिंता का विषय है। वोट अधिक से अधिक मात्रा में आये। इसके लिए साहिबाबाद और गाजियाबाद पर पूरी मनीटरिंग रखी जा रही है। महानगर

अध्यक्ष मयंक गोयल ने भी पार्षदों को कहा कि अगले टिकट तक पहुंचने के लिए टारगेट को पूरा करना होगा। उन्होंने इसका फार्मूला बताया और कैबिनेट मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से खासतौर से पार्षदों से कहा कि वो तेजी से इस अभियान में जुट जायें। भाजपा अब फार्म 6 के जरिए घाटे की भरपाई को पूरा करेगी।

जितने मिले हैं वोट और प्रतिद्वंद्वी को मिले वोट फार्मूले पर है काम

करंट क्राइम। एसआईआर अभियान को लेकर पार्षदों को दिशा निर्देश मिले हैं। पार्षदों को टारगेट मिला है और ये फार्मूला महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने पार्षदों को समझाया। उन्होंने सबसे पहले कहा कि अगले टिकट तक पहुंचने के लिए टारगेट दिया गया है। फार्मूला ये है कि जिस भी पार्षद को जितने भी वोट मिले हैं और उनके प्रतिद्वंद्वी जितने वोट से हारे हैं। उतने वोट हर पार्षद को बनवाने हैं। इस फार्मूले पर काम करना है और इस टारगेट को पार्षदों को पूरा करना है।

कैबिनेट मंत्री बोले जैसे अपने चुनाव में बनवाते हो वोट वैसे करो काम

करंट क्राइम। एसआईआर अभियान -2 को लेकर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा काफी गंभीर दिखाई दिये। उन्होंने पार्षदों को निर्देश दिये। सुनील शर्मा वैसे भी साहिबाबाद की राजनीति की पूरी नब्ब जानते हैं। कौन कैसे काम करता है उन्हें इसका पूरा पता है। बुधवार को जब उनके दफ्तर पर बैठक हुई तो उन्होंने पार्षदों को कहा कि जिस तरह से अपने चुनाव में वोट बनवाते हो, उसी तरह से तुम्हें इस अभियान में वोट बनवाने हैं। उन्होंने कहा कि जैसे अपने चुनाव में गांव से बुलाकर भी वोट बनवाते हो, उसी तरह जो लोग यहां रह रहे हैं उनके घर पर दस्तक दो और उन्हें साथ ले जाकर वोट बनवाओ।

मंडल अध्यक्ष की गारंटी से लेकर विधायक जी का फोन हो गया क्या फे...

योगाचार्य ने जब डाला डेरा तो आ गया बुल्डोजर और हो गया खेल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। किस्सा भाजपा के एक ऐसे मंडल का है जहां कुछ ना कुछ दंगल होता ही रहता है। कुछ समय पहले इस मंडल के अध्यक्ष की पिटाई का किस्सा गुंजा था। उससे पहले एक यात्रा चलनी थी तो हरी झंडी को लेकर सीन हो गया था। यात्रीगण विधायक जी के तेवर देखकर वापस लौटें थे और फिर से यात्रा शुरू की थी। बहरहाल किस्सा अब पांच पेटी का गुंज रहा है। किस्से में बुल्डोजर है, किस्से में निर्माण है, किस्से में योगाचार्य हैं और किस्से में विधायक जी का फोन है। सूत्र बताते हैं कि मंडल अध्यक्ष को एक निर्माण कराना था। निर्माण वाली जमीन एक ऐसे व्यक्ति की है जिसकी रक्षा के लिए यूजीसी आ रहा था। यूजीसी वाला व्यक्ति पास के ही एक गांव में रहता है। मोहल्ला सूत्र बताते हैं कि मंडल अध्यक्ष ने पूरी सैटिंग का दावा किया और विकास वाले महकमें के नाम पर पांच पेटी ले लिये। अब देने वाला इसलिए निश्चित था कि सरकार वालों ने जब गारंटी ले ली है तो सरकारी विभाग वाले क्या कर लेंगे। बताते हैं कि निर्माण भी शुरू हुआ लेकिन मुहूर्त गलत हो गया। सीन में एक योगाचार्य की एंट्री हो गी। योगाचार्य प्राचीन काल में निगम से जुड़े थे और उन्हें सारे दारुपेच पता था। इधर जब मामला गफलत में आया तो मंडल अध्यक्ष ने विधायक जी की शरण ली। सूत्र बताते हैं कि विधायक जी ने विकास वाले महकमें में फोन भी मिलाया और ये भी बताया कि ये भगवा दफ्तर का ही निर्माण हो रहा है। लेकिन उधर योगाचार्य ने महकमें में सिटिंग कर ली और अफसरों के साथ मीटिंग कर ली। उन्होंने भी कह दिया कि दफ्तर केसरिया हो या नीला लेकिन मैं नहीं होने दूंगा, कार्यवाही



का कोई पेंच ढीला। बताते हैं कि फिर कुछ ऐसा हुआ कि मंडल अध्यक्ष की गारंटी का कार्ड ही फट गया और विधायक जी का फोन भी काम नहीं आया। सब देखते रह गये और जबरदस्त खेल हो गया। जिस निर्माण को केसरिया ललकार के साथ बनाने की गारंटी ली गई थी वो निर्माण ध्वस्त हो गया। निर्माण ध्वस्त होते ही फूल वालों के फोन एक दूसरे के पास पहुंचे और बताया गया कि निर्माण तो ध्वस्त हो गया है। बहरहाल किस्सा पूरे मंडल में गुंज रहा है और हर कोई बता रहा है कि फूल वालों की बगिया पर फूल वालों का बुल्डोजर चल गया। कोई भी बीच में नहीं आया और एक योगाचार्य की सिटिंग ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। अब फूल वाले बता रहे हैं कि जो होना था वो हो गया। अब यकीन मानों कि जिसका ये निर्माण था उसके पांच पेटी तो ध्वस्त हो गये।

बदले-बदले से नजर आ रहे हैं रामअवतार जिनंदल के अंदाज कुछ तो असर दिखायेगी घर पर हुई ये कमांडरी मुलाकात

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति एक ऐसा एहसास है जो हमेशा महसूस किया जाता है। राजनीति का तापमान अब बढ़ने वाला है और इसकी शुरुआत हो गई है। देहात में जिला पंचायत वाले बादल छाने लगे हैं और शहर में भी एमएलसी चुनाव वाली गर्मी का सीजन आने वाला है। विधानसभा चुनाव की भी आहट होने लगी है। अभी एक बरस है लेकिन नेताओं के दर पर मस्तक झुकने लगे हैं और नेताओं के दरस के लिए चेहरे पहुंचने लगे हैं। आशीर्वाद का अभिलाषी, आकांक्षी वाला सीन शुरू हो गया है। राजनीति जब अंगड़ाई लेती है तो यहां मुलाकातों का सीन बढ़ता है। राजनीति में मुलाकातों के मायने होते हैं और मुलाकातों से ही सियासी अंदाज लगते हैं। राजनीति के गंभीर चेहरे अपनी सियासत का ताना और बाना इस तरह से बुनते हैं कि लखनऊ से लेकर दिल्ली तक एक सामंजस्य बनता है। क्षेत्र से लेकर महानगर तक एक सामंजस्य बनता है और सबसे बड़ी बात ये है कि वो सियासी समर्थन का बहुमत अपने होम सिटी से भी लेकर



चलते हैं। महानगर की राजनीति में नए फेस की बात करें और मजबूत बेस की बात करें तो यहां रामअवतार जिनंदल इन दिनों छापे हुए हैं। उनके अंदाज बदले बदले से हैं। जिनंदल जी राजनीति के सारे फार्मेट में खुद को फिट कर चुके हैं। वो राजनीति के सीन में हिट चल रहे हैं। उन्होंने संगठन में खुद को साधा है तो संघ वाले रंग में भी वो पूरी तरह रंगे हुए हैं। जो व्यवस्था राजनीति को आँकसीजन देती है उस व्यवस्था से उन्हें आशीर्वाद मिल रहा है। यहां पर खास बात ये है कि जिनंदल जी ने अपनी व्यवहार से अपनी राजनीति को निखारा है।

वो एमएलसी वाली दौड़ में मजबूत के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जिनंदल जी के पोलिटिकल फेस के बेस को कई एंगल से मजबूती मिल रही है।

जिन्हें लग रहा है कि ऐसे नाम मजबूत नहीं हैं तो वो यहां पर उन नामों पर एक बार गौर कर लें जो बाहर से मजबूत नहीं थे लेकिन अंदर से वो इतने सॉलिड थे कि टिकट भी लेकर आये और जीत भी हासिल की। एमएलसी वाले सीन से लेकर राज्यसभा तक ये सीन चला है। भगवागढ़ की राजनीति तेजी से चेहरे बदल रही है और ये नए चेहरों को मजबूत पोजीशन में लाकर उन्हें एक प्लेट फार्म दे रही है। अगर इस सीन को राजनीतिक परिदृश्य से जोड़कर चलेंगे तो फिर यहां रामअवतार जिनंदल का नाम ना तो अनजान सा लगेगा और ना कमजोर लगेगा। बेहद व्यवहार कुशल और राजनीति के हर फार्मेट में खुद को फिट करने की क्षमता लिए हुए रामअवतार जिनंदल राजनीति के साथ-साथ समाज

सेवा में भी आगे हैं। राजनीति की एक अनिवार्य शर्त वो सबसे पहले पूरी करते हैं। ये शर्त है कि आप हमेशा मुस्कुराते हुए लोगों से मिलें और आपका भाषाई अंदाज मर्यादाशील हो। जिनंदल जी इस फार्मेट पर सफल साबित हो रहे हैं। सबको साथ लेकर चलने की कला उन्हें एमएलसी वाली रेस में ले आई है। कुछ समय पहले उन्होंने कल्कि पीठ से आशीर्वाद लिया था। अब वो स्थानीय फैक्टर पर भी अपनी दायदारी के ट्रैक्टर को माईलेज देते नजर आ रहे हैं। जो लोग उन्हें जानते हैं और जिन्होंने विधानसभा का उपचुनाव नजदीक से देखा है वो इस बात को भी जानते हैं कि शर विधायक वाले चुनाव में जिनंदल जी पूरी तरह से कनेक्ट थे। उन्हें जो दायित्व सौंपा गया था उसे वो पूरा कर रहे थे। अब राजनीति का सीन बदला है और सजीव शर्मा शहर विधायक हैं और रामअवतार जिनंदल अपनी राजनीतिक पारी के लिए प्रयासरत हैं। ऐसे में समीकरण को साधना और मुलाकातों के जरिए माहौल को बनाना हर नेता की ताकत होती है। इस कड़ी में रामअवतार

जिनंदल भी सामने आये हैं। उन्होंने शहर विधायक से जीव शर्मा से मुलाकात की। जब ये दोनों व्यक्ति मिले तो इन दोनों व्यक्ति का खास बात ये है कि दोनों ही चेहरे जनता से लेकर देवतुल्य कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा सहज उपलब्ध रहते हैं। भगवा कमांडर और रामअवतार जिनंदल की एक मुलाकात हुई। इस मुलाकात की फोटो जब बाहर आई तो चर्चा प्रबल हुई। ये मुलाकात खास है और मुलाकात का फोटो भले ही दरवाजे के बाहर का है लेकिन बताया ये जाता है कि एक घंटे तक मुलाकात और दोनों के बीच बात तो दरवाजे के अंदर हुई है। अब ये अंदाज लगाया जा रहा है कि आखिर राजनीति के इन दोनों चेहरों ने कोई ना कोई पटकथा तो तैयार की है। एक घंटे तक ऐसे ही तो कोई बात नहीं हुई है। इस मुलाकात के बाद जिनंदल जी के अंदाज बदले बदले से हैं। राजनीति से जुड़े लोग संकेत दे रहे हैं कि एक चेहरे की राजनीति के इस युग में आप मानकर चलो कि इस और नए चेहरे की सम्मानजनक पारी शुरू हो सकती है।

ट्रिपल सुसाइड: पिता पर कर्ज, बिगड़ती आर्थिक हालत और शादी का डर बना तीन बहनों की मौत की वजह ?



-पिता ने की थी दो शादियां, साली भी रहती थी साथ -दो करोड़ का कर्ज भी है कहानी में बड़ा सवाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : टीलामोड़ थानाक्षेत्र की भारत सिटी सोसाइटी में तीन नाबालिग सगी बहनों द्वारा 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या किए जाने का मामला लगातार गंभीर और रहस्यमय होता जा रहा है। पुलिस जांच और सूत्रों से सामने आई जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक घटना के पीछे पिता पर भारी कर्ज, बिगड़ती आर्थिक स्थिति, पारिवारिक तनाव और शादी का डर भी बड़ी वजह हो सकते हैं।

मृतक बहनों की पहचान 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी के रूप में हुई है। तीनों बहनों ने एक साथ आत्महत्या कर ली थी, जिससे पूरे इलाके में ससनसी फैल गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों लड़कियां कोरियन ड्रामा और ऑनलाइन गेम्स की अत्यधिक आदी हो चुकी थीं। उन्होंने अपने नाम तक बदलकर मायिया, आनिया और सिंडी रख लिए थे। लड़कियां आपस में इस कदर जुड़ चुकी थीं कि नहाने, खाने और वॉशरूम तक एक साथ जाती थीं। कमरे में दीवारों पर क्रॉस के निशान, कोरियन कंटेनर से जुड़े फोटो और डायरी में लिखा गया मानसिक दर्द भी पुलिस को मिला है।

मोबाइल छीना, गेम छोड़ने का दबाव और शादी की धमकी

करंट क्राइम : सूत्रों के मुताबिक, लड़कियों के पिता चेतन ने गेम की लत छुड़ाने के लिए उनका मोबाइल फोन छीनकर बेच दिया था। बताया जा रहा है कि मोबाइल बेचकर मिले पैसे से घर का बिजली मीटर रिचार्ज कराया गया, जिससे परिवार की खराब आर्थिक हालत का भी संकेत मिलता है। जानकारी यह भी सामने आई है कि चेतन अक्सर बेटियों को गेम न छोड़ने पर शादी कराने की धमकी देता था। इस बात से तीनों बेटियां काफी डरी और सहमी रहती थीं और कई बार दिनों तक कमरे से बाहर नहीं निकलती थीं।

शेयर ट्रेडिंग में फंसा परिवार हुआ था दो करोड़ का घाटा

करंट क्राइम : पुलिस सूत्रों के अनुसार, चेतन शेयर ट्रेडिंग के काम से जुड़ा था और उसे बीते कुछ महीनों में करीब दो करोड़ रुपये का भारी घाटा हुआ था। इसी आर्थिक संकट के चलते पिछले दो वर्षों से तीनों बेटियां स्कूल नहीं जा रही थीं और घर पर ही रह रही थीं। हैरानी की बात यह भी है कि स्कूल की ओर से लंबे समय तक बच्चियों के स्कूल न आने पर कोई विशेष फॉलोअप नहीं किया गया। जांच में सामने आया है कि चेतन ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी से संतान न होने पर उसने अपनी साली से शादी की, जिससे तीन बेटियां हुईं। इसके बाद दूसरी साली को भी साथ रखा गया। तीन कमरों के प्लॉट में कुल 9 लोग लंबे समय से रह रहे थे। चेतन का एक बेटा भी है, जो दिव्यांग बताया जा रहा है।

क्या पिता से डर और पहले से बना था सुसाइड का प्लान

करंट क्राइम : सूत्रों का दावा है कि तीनों बहनें पिता से डरती थीं और लंबे समय से मानसिक दबाव में थीं। पुलिस को आशंका है कि तीनों ने आत्महत्या की योजना पहले से बना रखी थी। यह भी सामने आया है कि वर्ष 2025 में चेतन ने अपनी पहली पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट टीला मोड़ थाने में दर्ज कराई थी, जो काफी समय से उससे अलग रह रही थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच हर फल से की जा रही है। कोरियन गेम और ड्रामा, पारिवारिक दबाव, आर्थिक स्थिति और पिता के व्यवहार—सभी बिंदुओं को जांच में शामिल किया गया है। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

कई सवाल अब भी बाकी

1. क्या आर्थिक तंगी और पारिवारिक तनाव ने बच्चियों को इस हद तक तोड़ दिया?
2. क्या गेम की लत के साथ-साथ डर और दबाव भी मौत की वजह बने?
3. क्या समय रहते काउंसलिंग और सामाजिक हस्तक्षेप से इस त्रासदी को रोका जा सकता था?

ललित जायसवाल की अध्यक्षता में होगा कविनगर में विराट हिंदू सम्मेलन

विशाल आयोजन में सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे अतुल जैन



गाजियाबाद, करंट क्राइम। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल की अध्यक्षता में हिंदू सम्मेलन आयोजित होगा। उन्हें हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति का अध्यक्ष बनना गया है। वहीं लोहा व्यापार मंडल के अध्यक्ष तथा प्रमुख शिक्षाविद डॉ. अतुल कुमार जैन को आयोजन समिति का सचिव बनाया गया है। हिंदू सम्मेलन 8 फरवरी को कविनगर रामलीला मैदान में आयोजित होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष में हिंदू जागरण की दिशा में कई ऊर्जा और चेतना जागृत करने के लिए सर्व हिंदू समाज द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म और समाजिक एकता के प्रति विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। खास बात ये है कि संघ के इस प्रमुख अहम कार्यक्रम का दायित्व ललित जायसवाल को दिया गया है। उन्हें हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें विराट हिंदू सम्मेलन के संबंध में तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बताया गया कि कार्यक्रम में

मैदान से लेकर हर घर पर लहरायेगी पताका

करंट क्राइम। हिंदू सम्मेलन में कविनगर के सभी ब्लॉक में रामलीला मैदान के मुख्य द्वार पर और प्रमुख स्थानों पर होडिंग लगाये गये हैं। इसके अलावा कविनगर के हर घर पर पताका लगाई जा रही है। प्रभात फेरी और संख्या फेरी निकालने का कार्यक्रम तय किया गया है। इस बैठक में ललित जायसवाल अतुल जैन रामनिवास बंसल, सुभाष बंसल, विवेक सिंघल, मनोज गोयल, आलोक गर्ग, नीता भार्गव, जितेंद्र गुप्ता, दीपांजी जैन, प्रदीप गर्ग, जयप्राकाश अग्रवाल, संदीप एसपी सिंह, अंजली पांडेय, विजय मितल, प्रदीप कुमार गुप्ता, मुनीश गोयल, सीमा रस्तोगी, पुनम गर्ग, अंजू सहगल, सोनिया अग्रवाल, आंचल गर्ग, रीमी अग्रवाल, अभय अग्रवाल, गिरीश कुमार, नीरज शर्मा, अमरीश गर्ग के अतिरिक्त अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक गुरु स्वामी दीपांकर, आध्यात्मिक गुरु पवन सिन्हा, जीवनश्रद्धा महाराज अरविन्द भाई ओझा, नवनीत प्रियदास की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी और इस सम्मेलन में संघ के 100 वर्षों की यात्रा के सम्बन्ध में उद्बोधन रहेगा। इस बैठक में ये भी बताया गया कि क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पदम जी भी सम्मेलन विषय पर चर्चा करेंगे। आरएसएस का पंच परिवर्तन के साथ अन्य विषयों पर फोकस रहेगा। सुप्रसिद्ध कवयित्री अंजू जैन सहित कई कवयित्रियों काय्य पाठ से माहौल को हिंदुमय बनाने का कार्य करेंगी।



संपादकीय

डिजिटल निजता पर खतरा

आज एक मोबाइल नंबर लेने से लेकर बैंक में खाता खुलवाने तक, हर जगह संबंधित व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी साझा करनी पड़ती है। कुछ मामलों में तो बायोमेट्रिक पहचान अनिवार्य है, अगर वह तीसरे पक्ष के हाथ लग जाए तो और भी कई तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने भी इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की जाती हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। आज के तकनीकी दौर में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हर किसी के लिए एक जरूरत बन गया है। ऐसे में डिजिटल सुविधाओं ने भले ही हमारे कई कार्यों को आसान बना दिया है और सूचना के प्रवाह को तेज कर दिया है, लेकिन इससे उपजे खतरों में निजता की रक्षा का मसला भी गंभीर है। अब ज्यादातर हाथों में स्मार्ट मोबाइल हैं और इंटरनेट की सुलभता ने सोशल मीडिया तक पहुंच को आसान बना दिया है। मगर, डिजिटल साक्षरता के अभाव में बहुत कम लोग यह समझ रखते हैं कि सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए वे जो निजी जानकारी संबंधित मंच के साथ साझा करते हैं, वह उनकी सहमति के बिना किसी तीसरे पक्ष को उपलब्ध कराई जा सकती है या उसका दुरुपयोग किया जा सकता है। इसी तरह के एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को मेटा प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और वाट्सएप को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही कहा कि कोई भी कंपनी या मंच निजी जानकारी साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकते। गौरतलब है कि आज एक मोबाइल नंबर लेने से लेकर बैंक में खाता खुलवाने तक, हर जगह संबंधित व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी साझा करनी पड़ती है। कुछ मामलों में तो बायोमेट्रिक पहचान अनिवार्य है, अगर वह तीसरे पक्ष के हाथ लग जाए तो और भी कई तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं। यानी एक व्यक्ति की निजी जानकारी इतनी जगह चली जाती है कि वह तीसरे पक्ष के साथ कहां से साझा की गई, इसका पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है। सोशल मीडिया मंच पर भी यह जोखिम बना रहता है, क्योंकि ज्यादातर उपयोगकर्ता उनके नियम-शर्तों से अनभिज्ञ होते हैं। शीर्ष अदालत ने भी इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की जाती हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक सभ्य तरीका है और इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। व्यक्तिगत पहचान सुनिश्चित करने और गैर कानूनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निजी जानकारी की जरूरत की दलील दी जाती है, लेकिन निजता के अधिकार का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

रोचक तथ्यों का करंट



- यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो पिस्ता खाना शुरू कर दें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर जल्दी भूख नहीं लगाने देते हैं। यह बेड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल को कम करता है और गुड एलडीएल को बढ़ाता है। यह मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाकर दिल को मजबूत बनाए रखता है।
- इसमें मौजूद विटामिन बी 6 खून में ऑक्सीजन ले जाता है। प्रतिदिन इसके सेवन से खून में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है व हीमोग्लोबिन भी बढ़ता है।
- इसमें विटामिन-ई और वसा युक्त घुलनशील एन्टी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करते हैं।
- पिस्ता में मौजूद कैल्शियम, मैग्नेशियम और पोटैशियम हड्डियों को मजबूत करते हैं और हड्डी से संबंधित बीमारी को भी रोकते हैं।
- रोजाना एक कप पिस्ता आवश्यक फॉस्फोरस की 60 फीसदी जरूरत को पूरा करता है। यह डाइबिटीज से भी बचाता है। भूरा हुआ पिस्ता न खाएं, क्योंकि इसमें सोडियम अधिक होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है।

राशिफल

मेघ: दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। वाणी पर संयम रहे।
वृष: व्यावसायिक लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए काम प्राप्त होंगे। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लॉटरी-स्ट्रेट से दूर रहें।
मिथुन: किसी भी प्रकार से घनहानि के योग हैं। लापरवाही न करें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है।
कर्क: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरे आपकी बात मानेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। चोट लग सकती है।
सिंह: किसी अनहोनी की आशंका है। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं।
कन्या: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। यात्रा सफल रहेगी। कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में अटक के काम अनुकूल रहेंगे।
तुला: दुश्मनों से सावधान रहें। वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी आवश्यक है। शारीरिक हानि की आशंका है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।
वृश्चिक: दायित्व जीवन मधुर रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। चोट लग सकती है।
धनु: ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय हो सकता है। प्रतिबंधी रास्ता छोड़ देंगे। भूमि व भवन संबंधित कार्य बढ़ा लाभ दे सकते हैं।
मकर: व्यस्तता के चलते थकान रह सकती है। विधातों वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएंगे। रूढ़िवादी भोजन का आनंद प्राप्त होगा।
कुंभ: वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में तनाव रह सकता है। समय पर कार्य न होने से क्षोभ उत्पन्न होगा। कोई दुःख समाचार प्राप्त हो सकता है।
मीन: लेन-देन में सावधानी रखें। आय में वृद्धि होगी। लक्ष्य के पीछे मेहनत का फल मिलेगा। समाजसेवा करने की इच्छा जागृत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।
करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 98999655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छावाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

बजट 2026 के बाद अटकलों पर विराम डेरिवेटिव बाजार में कोई नया हस्तक्षेप नहीं करेगा सेबी

नई दिल्ली। बजट 2026 में एसटीडी बढ़ने के बाद भी सेबी ने डेरिवेटिव बाजार में किसी नई सख्ती से इनकार किया है और मौजूदा नियम जारी रहेंगे। सेबी प्रमुख ने कहा कि आर्थिक वृद्धि के लिए पूंजी और बॉन्ड बाजार अहम हैं, हालांकि कॉरपोरेट और म्यूनिसिपल बॉन्ड्स में अभी जागरूकता और विस्तार की जरूरत है।

केंद्रीय बजट 2026 में डेरिवेटिव लेनदेन पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीडी) बढ़ाने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद, बाजार में आगे सख्ती की अटकलें तेज हो गई थीं। इन अटकलों पर विराम लगाते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने स्पष्ट किया कि नियामक फिलहाल डेरिवेटिव बाजार में किसी अतिरिक्त हस्तक्षेप पर विचार नहीं कर रहा है। हालांया प्रश्नोत्तर सत्र में सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक डेरिवेटिव बाजारों का विश्लेषण पूरी तरह डेटा-संचालित और व्यवस्थित तरीके से करता है। उन्होंने जोर दिया कि हम किसी नए उपाय पर विचार नहीं कर



तक ऐसे किसी बदलाव पर चर्चा नहीं हुई है।

निवेशकों में जागरूकता की कमी: पांडे ने निवेशकों में जागरूकता की कमी को भी बड़ी चुनौती बताया। सेबी के निवेशक सर्वे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट बॉन्ड को निवेश उत्पाद के रूप में केवल 10% लोगों की जानकारी है, जो जमा, बीमा, लघु बचत योजनाओं और यहां तक कि फ्रंटोकरेंसी (15%) से भी कम है। उन्होंने जोर दिया कि हम बॉन्ड बाजार के लाभ गिनाते हुए कहा

भारत के कम उपयोग हो रहे बॉन्ड बाजार पर जोर

सेबी द्वारा आयोजित 'पैन-इंडिया आउटरीच प्रोग्राम फॉर कॉरपोरेट बॉन्ड्स' के उद्घाटन सत्र में पांडे ने भारत के बॉन्ड बाजार की भूमिका पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल बैंक ऋण पर्याप्त नहीं है, पूंजी बाजारों को इस वृद्धि का नेतृत्व करना होगा। उन्होंने मजबूत बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ स्वच्छ, तरल और भरोसेमंद पूंजी बाजार की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि बुनियादी ढांचे, हरित परिवर्तन, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक वित्त उपलब्ध कराया जा सके।

सेबी प्रमुख के मुताबिक, भारत पिछले तीन वर्षों में औसतन 7.8% तिमाही जीडीपी वृद्धि के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जबकि वित्त वर्ष 2026 के लिए वृद्धि का अनुमान 7.4% है।

कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार के आंकड़े और चुनौतियां
पिछले एक दशक में बकाया कॉरपोरेट बॉन्ड्स 12% की चक्रवृद्धि वार्षिक दर (CAGR) से बढ़कर वित्त वर्ष 2015 के 17.5 ट्रिलियन रुपये से दिसंबर 2025 तक 58 ट्रिलियन रुपये पर पहुंच गए हैं। यह उद्योग और सेवा क्षेत्रों को दिए गए बैंक ऋण का लगभग 60% है हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत में कॉरपोरेट बॉन्ड्स का बकाया जीडीपी का केवल 16% है, जो दक्षिण कोरिया (79%), मलेशिया (54%) और चीन (38%) से काफी कम है। इसके अलावा, इक्विटी में सूचीबद्ध 5,600 से अधिक कंपनियों के बावजूद केवल 770 इकाइयों ने ही कर्ज बाजार के जरिये पूंजी जुटाई है, जिनमें से महज 272 ने एक से अधिक बार बॉन्ड जारी किए हैं।

फिलहाल नगरपालिकाओं द्वारा जारी बॉन्ड्स की संख्या बेहद सीमित है अब तक केवल 12 निर्गम हुए हैं। हालांकि, बजट घोषणाओं के मुताबिक सरकार नगरपालिकाओं को ऐसे बॉन्ड जारी करने में समर्थन देगी। पांडे ने कहा कि भले ही यह बाजार अभी शुरूआती और लगभग नगण्य स्तर पर है।

आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक शुरू ब्याज दरों पर फैसला शुक्रवार को

नई दिल्ली। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो गई है और इसका फैसला शुक्रवार को आएगा। यह बैठक बजट के बाद और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के नए अपडेट के बीच हो रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक आज से शुरू हो गई है। इस अहम बैठक का नतीजा शुक्रवार को घोषित किया जाएगा। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब केंद्रीय बैंक बीते एक साल में मौद्रिक नीति में बड़ी नरमी कर चुका है और वैश्विक व घरेलू मोर्चे पर कई अनिश्चितताएं बनी हुई हैं।

बजट के बाद एमपीसी की पहली बैठक: यह वित्त मंत्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को पेश किए गए तकनीक-केंद्रित बजट के बाद ठंडक की पहली बैठक है। साथ ही, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, क्योंकि दोनों देशों की सरकारों ने इसकी सभी शर्तें सार्वजनिक नहीं



की हैं। ऐसे में इस बैठक पर बाजार और नीति विशेषज्ञों की ख़ास नजर है। फरवरी से अब तक ब्याज दरों में हुई कितनी कटौती? पिछले एक साल में आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि को सहारा देने के उद्देश्य से मौद्रिक नीति में उल्लेखनीय ढील दी है। फरवरी से अब तक केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल 125 आधार अंकों की कटौती की है। दिसंबर की एमपीसी बैठक में भी रेपो रेट को 25

आधार अंक घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके साथ ही RBI ने आर्थिक वृद्धि के अनुमान में भी संशोधन किया था। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जो पहले के अनुमान से करीब आधा प्रतिशत अंक अधिक है।

दिसंबर में खुदरा महंगाई बढ़ी: महंगाई के मोर्चे पर, सांख्यिकी एवं

कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (उडक) आधारित खुदरा महंगाई 1.33 प्रतिशत (सालाना) रही। दिसंबर 2024 की तुलना में महंगाई में यह बढ़ोतरी व्यक्तिगत देखभाल, सव्जियों, मांस-मछली, अंडे, मसाले, दालें और संबंधित उत्पादों की कीमतों में इजाफे के कारण हुई। नवंबर 2025 की तुलना में दिसंबर 2025 में हेडलाइन महंगाई 62 आधार अंक बढ़ी। आगामी तीन दिनों में के सदस्य महंगाई के रुझान और आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। शुक्रवार को आने वाला फैसला यह संकेत देगा कि RBI आगे ब्याज दरों और मौद्रिक नीति को लेकर किस दिशा में कदम बढ़ाने जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित और विकास की रफ्तार स्थिर बनी हुई है।

05 02 2026
करंट क्राइम

जन्मदिन
हार्दिक की शुभकामनाएं
आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

तरुण कर्दम
पूजा सागर
चेतना गौयल
युवराज तोमर
नमन चौधरी

अभिषेक बच्चन (अभिनेता)

श्रीपाल सिंह
देवराज सिंह
जेपी गौतम
महताब पटान
सालिक कुरेशी

आसिफ मलिक
पर्व अग्रवाल
मुन्ना मंसूरी
नवीन सरवन
संतोष तिवारी
सतेंद्र सिंह
विजय

मुकेश ठाकुर
उमाशंकर शर्मा
आशीष शर्मा
सतीश गिरी
विष्णु दत्त
अंकित शर्मा
सदीप त्यागी

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com



सिटी जोन में 23 बैच के उपनिरीक्षकों पर गिरी गाज, पांच और हुए आउट पीआरओ नियुक्ति को लेकर उठे सवाल, बाकी प्रमुख स्थानों से हटाए गए

गाजियाबाद, करंट क्राइम।

पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद में 2023 बैच के उपनिरीक्षकों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। सिटी जेन में तैनात 23 बैच के पांच और उपनिरीक्षकों को उनके मौजूदा पदों से हटाकर थानों में अटैच कर दिया गया है। सूची में कुल 25 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। सूची के अनुसार चौकी प्रभारी मेरठ रोड तिराहा रहे ऋषभ तिवारी को थाना सिहानी गेट भेजा गया है। वहीं अफिल को चौकी प्रभारी मधुवन बापूधाम से हटाकर थाना वेव सिटी अटैच किया गया है। धनंजय सिंह को हल्का प्रभारी डासना से थाना वेव सिटी, सोनू को हल्का प्रभारी जल निगम से थाना विजयनगर और मनीष वर्मा को चौकी प्रभारी डासना गेट से थाना कोतवाली भेजा गया है। इसी सूची में 23 बैच के ही उपनिरीक्षक मानसिंह दयाल को चौकी प्रभारी दयानंद नगर से हटाकर डीसीपी



सिटी का पीआरओ बनाया गया है। इस नियुक्ति को लेकर विभागीय हलकों में मेहरबानी की चर्चा तेज है, जबकि अन्य 23 बैच के अधिकारियों को प्रमुख और फील्ड पोस्टिंग से हटाया गया है।

इसके अलावा जारी आदेश में कई नए चौकी और हल्का प्रभारी भी सौंपे गए हैं। जिसमें उपनिरीक्षक मनोज कुमार को चौकी प्रभारी दयानंद नगर थाना सिहानी गेट, मोहित कुमार को चौकी प्रभारी मेरठ रोड तिराहा थाना सिहानी गेट, कुलवंत सिंह को चौकी प्रभारी सिविल लाइंस थाना कोतवाली

बनाया गया है। प्रबल प्रताप सिंह गौतम को चौकी प्रभारी सेक्टर थाना विजयनगर, विकास कुमार को चौकी प्रभारी किराना मंडी थाना कोतवाली, कमलदेव सिंह को चौकी प्रभारी रोहिया नगर थाना सिहानी गेट भेजा गया है। वहीं परचंद बालियान को हल्का प्रभारी डासना थाना वेव सिटी, संतोष कुमार को चौकी प्रभारी दुहाई थाना मधुवन बापूधाम, विनीत कुमार चौकी प्रभारी मधुवन बापूधाम और विपिन कुमार को चौकी प्रभारी मधुवन बापूधाम बनाया गया है।

इसके साथ ही राहुल कुमार को चौकी प्रभारी गोविंदपुरम तथा शिव प्रताप सिंह को हल्का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस कमिशनर स्तर पर हुए इन तबादलों को प्रशासनिक सख्ती और व्यवस्था सुधार से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि 23 बैच के अधिकारियों को बार-बार निशाने पर लिए जाने को लेकर अंदरखाने चर्चाएं तेज हैं।

वेव सिटी और मसूरी क्षेत्र में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च



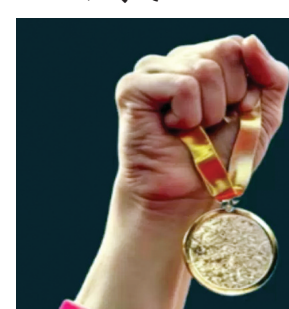
—शांति व्यवस्था को लेकर दिखी सख्ती

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद के अंतर्गत शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस द्वारा लगातार सघन प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल के नेतृत्व में वेव सिटी और मसूरी क्षेत्र में पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस टीम ने मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पैदल मार्च करते हुए लोगों से संवाद किया और सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस की मौजूदगी से क्षेत्र में कानून व्यवस्था

को लेकर सकारात्मक संदेश गया। सब पुलिस कमिशनर द्वारा आगामी त्योहारों को देखते हुए क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके तहत एसीपी एवं डीसीपी स्तर के अधिकारियों को लगातार पैदल गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अफवाह या असामाजिक गतिविधि पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गाजियाबाद पुलिस का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखना है।

राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में आहना ने जीते दो स्वर्ण



गौतमबुद्ध नगर की योग खिलाड़ी आहना ने राष्ट्रीय स्तर आयोजित योगासन प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। इसके लिए खिलाड़ी का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। असम के धेमाजी स्थित कोर्ट फील्ड में 31 जनवरी से 1 फरवरी तक यह चैंपियनशिप हुई। नोएडा के सेक्टर-105 निवासी आहना ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। सेक्टर के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतकर आहना ने जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। वह लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा हैं।



मेम्बर साहब तुम्हारे तीन के बलदान से नहीं बदलने वाला है सिस्टम का कोई सीन

सरकारी महकमों में जो सिस्टम को समझते हैं फिर उन्हें सरकारी महकमा भी पूरी तरह समझता है। ईमानदारी का शोर मचाते हुए लहर के सहारे जो शहर की विकास वाली इमारत में पहुँचे तो सड़क से लेकर सौर तक सबको पता चल गया कि ईमानदारी का फीकर तुम जीते हो। उतर गया था और अब तो उन्हें भी हिस्सा चाहिए। कमिशनरी पर जीएसटी लगा गयी और 2 बाला रेट 3 में और 3 बाला सीन 5 में आ गया। साहब ने कहा मैं तो ईमानदार रहूँगा मगर टैक्स कल वाली से लेकर भुगतान वाली ने कहा दिया कि हुजूर हमारा तो लिये बिना गुजारा ही नहीं होगा। इसलिए चूँकि कुछ भी हम मार खे पूरे कैने के लिए हमें लेना ही पड़ेगा। इधर टैकन वाली ने भी कह दिया कि हम पूरी तरह सिस्टम के साथ चलेंगे। इस पूरी आधी में एक मेम्बर ईमानदारी के महात्मा गांधी बनकर आये। उन्होंने टैकन में से कहा कि भले ही तुम मेरे वाले पैसे मत देना लेकिन काम पूरी गुणवत्ता के साथ करो। टैकन में मेम्बर को पैसे देना और फिर कहा कि पैसे मैं मेम्बर साहब तुम्हारे तीन ना लेने से सीन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। तुम अपने तीन का बलदान मत करो और इस बात पर ध्यान करो कि तुम्हारे अलावा पाँच बीआईपी को देना है। 27 मिसलेनियस में है और ये वो है जो उनको हक है, इसे वो लेकर ही रहेंगे। अब ये सम्झलो कि तेल तो तिलो से ही निकलेगा और पकीड़ तो तेल में ही तले जायेंगे। हमारा पेट तो छोटा सा है और दस में ही काम हो जायेगा मगर उनका क्या करे जिन्हे 100 में से 40 चाहिए। और वो लेकर रहेंगे।

जब विधायक जी बोले लगा दो यहां मेरे नाम का स्टोन तो क्यों बदली टोन

किस्सा शहर वालों के बीच गुंज रहा है और किस्से में एक विधायक हैं। विधायक जी दानी हैं और हस्ती उनकी जानी-मानी हैं। धर्म कर्म के कामों में सबसे आगे रहते हैं। नेवर से परीफेरी हैं और अब तो उनके पास जमानतिलिष वाली जिम्मेदारी है। शहर वाले बताते हैं कि पुराने शहर में एक धर्मशाला का निर्माण हो रहा था। सेंट जी का बिजनेस चंगा चले या मंदा चले मगर चंदा सबको देते हैं। वो यहां वालों की भी चंदा दे रहे थे। अब एक दिन विधायक जी ने चंदा लेने वालों से कहा कि जब तुम ऐसा कर रहे हो तो ऐसा भी करो कि वहां पर मेरे नाम का एक स्टोन तो लगावा दो। बताते हैं कि तब तो सहयोग देने वालों ने जी भाई साहब कह दिया। लेकिन तब बात उनके जी को गिरा नहीं हुई। सेंट जी पथर लगवाने की बात क्यों कह रहे हैं, इस बात पर चर्चा एक बार दो बार नहीं तबरा हुई। इसके बाद चंदा लेने वालों ने भी स्टोन वाली बात को लेकर अपनी टोन कर ली। अब जब नाम का पथर ही नहीं लग रहा तो फिर सेंट जी किस बात के पैसे देगे। इधर चंदा लेने वाले इस बात पर अडिग कि आज तो सेंट जी पथर की डिमांड कर रहे हैं और कल कुछ और डिमांड आयेगी। सुना है कि पैसे तो और लोगों ने भी दिये हैं और ऐसे तो फिर पूरी दीवार ही दान दाताओं के नाम वाले स्टोन से ढक जायेगी। फिर रोचक एंड ये हुआ कि सेंट जी ने चंदा देना बंद कर दिया और धर्मशाला का निर्माण रुक गया। आधी अशुरी धर्मशाला में क्या चल रहा है, ये बताये अगली जुबान में।

सूटकेस जिंदाबाद था सूटकेस जिंदाबाद है और सूटकेस जिंदाबाद रहेगा नीला हाथी सियासी मेले से अब कई किलोमीटर दूर है। वो पहले ही 15 साल के लिए सूबे की सत्ता से बाहर है। लोकसभा में उसके स्कोर कार्ड में शून्य लिखा है और पूरी विधानसभा में सिर्फ कल हाथी है और वो भी इन दिनों अता-पूता-लापता वाले सीन में चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ साईफिल और हाथ से अब चूके लोग हाथों का बैकअप प्लान में लेकर चल रहे हैं। फूल वालों के यहां गेट बंद है मगर हाथी वालों के यहां बात बन सकती है। लेकिन हाथी से उतरे महावत ने सावधान किया और कहा कि वहां के मान-सम्मान को एक आम आदमी झेल नहीं पायेगा। बता दिया कि मंदी किन्ती ही हो लेकिन मुलाकात से लेकर जन्मदिन पर मामने की दीदी अदत थोड़ी जायेगी। इसके बाद उन्होंने बताया कि ये आप और तुम का कल्चर यहाँ पर चलता है वहां तो सीधे तू तड़ाक की नौबत आ जाती है। यहां पर पुराने महावत ने ये भी बता दिया कि हाथ और साईफिल में तुम कम से कम किसी गिनती में तो हो। मगर वहां पर सीन दूसरा है। वो खुद किसी गिनती में नहीं है लेकिन नखरे हाथी के अब भी उतने हैं। यहां के नेता की कोई हस्ती वहां मानी नहीं जाती है। कुल मिलाकर सार ये रहा कि महावत बातों ही बातों में समझा गया कि सूटकेस जिंदाबाद था। सूटकेस जिंदाबाद है और सूटकेस जिंदाबाद रहेगा।



क्या अनुभव की नहीं रहेगी कदर

पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में 26 जनवरी की परेड के दौरान सिटी, देहात और कई प्रमुख चेहरों को सम्मान दिया गया था, लेकिन जब लिस्ट वाली बारी आई तो सब दरकिनार नजर आए। अब सवाल उठ रहा है कि क्या अनुभव की कदर नहीं हो रही है या मामला कुछ और है। पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जिन थ्री- और टू- स्टारों को बाकायदा प्रशस्ति पत्र और पदक दिए गए थे, उनका नाम लिस्ट से आउट है। तो वहीं बीते दिनों जिस बैच को लेकर सबसे ज्यादा टेंशन अटेंशन और हड़कण मचा था, फिर वहां के टू- स्टार बाज पा रहे हैं। जानकारी मिल रही है कि जिस तरीके से चौकियों से 23 बैच वालों का सफाया किया गया है, पर उनको अब ऐसे कार्यालय में और डीसीपी जैसे प्रमुख कार्यालयों से जोड़ा जा रहा है, जो बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। बताया जा रहा है कि इसमें फिर चौकी से हटाए गए सभी 23 बैच वाले सिटी जेन से भी थानों में अटैच कर दिए गए हैं। तो सिटी वाली लिस्ट बता रही है कि इसमें फिर पीआरओ पर मेहरबानी हुई है। एक को हटाकर चौकी दी गई है, तो दूसरे को चौकी से हटाकर पीआरओ बनाया गया है। दोनों का विभाग में अनुभव भी अभी बेहद लंबा नहीं है। इनसे अनुभव भी अप टू डेट रहने वाले तमाम टू- स्टार पुरानी फौड़लों के बोझ में दबे बताए जा रहे हैं। वहीं अप टू डेट न रहने वाले और मीडिया से दूरी रखने वालों को जिस तरीके अधिकारी अपना बनाने में लगे हुए हैं, इसके पीछे का रहस्य भी समझ नहीं आ रहा है। बीते दिनों पुलिस कमिशनर ने जिस 23 बैच को लेकर नाराजगी दिखाई थी, तो उसका असर हुआ। तो वहीं एक भभाव विधायक ने भी इस मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया था। बताया जा रहा है कि सिटी जेन से लेकर अब देहात के सभी इलाकों से 23 बैच वालों की चौकी से खेती हो गई है। वह अब परेशान और टेंशन में आ गए हैं, सभी को थाने से अटैच किया गया है, जिससे उनको कहीं ना कहीं अब बुरा भी लग रहा है। तो वहीं पुराने वाले सवाल उठा रहे हैं कि क्या अनुभव की कदर नहीं होगी। कुल मिलाकर जिस तरीके से पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एंटी करपशन ने पुलिस कमिशनरी की नींद उड़ा रखी है, तो कई एंड मामले भी और बताए जा रहे हैं। उधर थानों में नए रंगरूट की फौज आनी शुरू हो गई है, लेकिन अब उनसे क्या काम लिया जाता है, कैसे उनका मैनेजमेंट चलेगा और कैसे वह सुरक्षा और अन्य जिम्मेदारियों को संभालेंगे, यह देखा जाना अभी शेष है। अब देखा होगा की लिस्ट आने के बाद पुलिस कमिशनरेट का माहौल कितना और कहां तक बदलता है।



ग्रेटर नोएडा के जीबीयू में कुलपति के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोप, छात्रों ने होर्डिंग लगाकर मांगा जवाब

ग्रेटर नोएडा, करंट क्राइम। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के गेट और परिसर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह से भ्रष्टाचार पर जवाब मांगते हुए होर्डिंग लगाई गई हैं। मामलों की फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। यह होर्डिंग छात्र संघर्ष समिति गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति के खिलाफ लगाई गई हैं।

विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग लगाई

जीबीयू में वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर छात्रों का असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। मंगलवार को रात को विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के बाहर और परिसर के विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग लगाई गई। इनमें विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। छात्रों ने सीधे तौर पर कुलपति से भ्रष्टाचार और अनियमितता पर सार्वजनिक जवाब देने की मांग की है।

छात्र संघर्ष समिति गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के बैनर तले लगाई गई होर्डिंग में विश्वविद्यालय में वित्तीय अनियमितता, भाई-भतीजावाद, अवैध नियुक्तियों, परीक्षा प्रणाली में हितों के टकराव, छात्रावासों की बदहाल स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था की विफलता व प्लेसमेंट और अकादमिक ढांचे के कमजोर करने जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।

छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक इकाइयों, विशेषकर इन्क्यूबेशन सेंटर, सेमिनार और कार्यशालाओं के नाम पर प्राप्त अनुदानों का सही उपयोग नहीं हो रहा है।



टीम ने टीपी नगर चौराहे से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा संतोष मिश्रा ने बताया कि आरोपियों की पहचान बिहार के सुपौल के किरोही गांव के सरवन चौधरी, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के केसपुर साथला गांव के लव कुमार, बिहार के सीतामढ़ी के पटनूखा गांव के नीतीश कुमार और बिहार के नानपुर गांव के राजनारायण कुमार उर्फ छोटू कुमार के रूप में हुई है। ये चारों सोरखा जुड़े अन्य तस्करों की तलाश कर रही है।

सेंट्रल नोएडा और सीआरटी टीम को सूचना मिली थी कि फेज थ्री थाना क्षेत्र में ओडिशा से गांजे की एक खेप आ रही है।

2024 में गांजा और शराब तस्करी के आरोप में जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद भी उसने अपराध करना नहीं छोड़ा। उसने लव, नीतीश और राजनारायण को अपने गैंग में शामिल किया। उन्होंने ओडिशा से बड़े पैमाने पर गांजा मंगवाकर सप्लाय करने की योजना बनाई। गैंग ने ट्रांसपोर्ट के जरिए गांजा मंगवाकर सप्लाय करना शुरू कर दिया। वे कमाए हुए पैसे को आपस में बांट लेते थे ताकि अपने खर्च और इच्छाएं पूरी कर सकें। नेटवर्क का पता लगाने में जुटी पुलिस एसीपी उमेश कुमार ने बताया कि गैंग मुख्य रूप से कॉलेज के छात्रों और मजदूरों को गांजा सप्लाय करता था। वे युवाओं को सस्ते दामों पर ड्रम्स देकर अपने जाल में फंसाते थे। कॉल डिटेल्स और प्लूताछ के आधार पर पुलिस उन लोगों की पहचान करने में जुटी है जो गैंग के साथ काम कर रहे थे।

अधिराज नागर के कुआंपूजन समारोह में पहुंचे गणमान्य लोग



गाजियाबाद करंट क्राइम। निगम पार्षद राजकुमार नागर के सुप्रीम अधिराज नागर के कुआंपूजन समारोह में समाज के गणमान्य लोग पहुंचे। वेवसिटी में आयोजित इस कार्यक्रम में पहुंचे गणमान्य लोगों ने अधिराज नागर को आशीर्वाद प्रदान किया तथा अधिराज नागर के दादा राजकुमार नागर, दादी जया नागर को बधाई तथा शुभकामनाएं दी।

एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी का तबादला वाराणसी में मिली नई जिम्मेदारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बुधवार देर रात जारी हुई आईपीएस तबादला सूची में गाजियाबाद पुलिस कमिशनरेट के एडिशनल पुलिस कमिशनर आलोक प्रियदर्शी का तबादला कर दिया गया है। उन्हें अब वाराणसी का एडिशनल पुलिस कमिशनर बनाया गया है। आलोक प्रियदर्शी करीब एक वर्ष तक गाजियाबाद पुलिस कमिशनरेट में अपनी सेवाएं दे



चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दैनिक व्यवस्था सहित कई अहम जिम्मेदारियों को संभाला और

प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सूत्रों के अनुसार, आलोक प्रियदर्शी का इसी वर्ष जुलाई में रिटायरमेंट प्रस्तावित है। उनके तबादले के बाद फिलहाल गाजियाबाद में एडिशनल सीपी पद पर किसी नए अधिकारी की तैनाती नहीं की गई है पुलिस महकमे में इस तबादले को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत देखा जा रहा है।



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दीपक ऋषिपाल भाटी ने अपने बेटे दीपराज भाटी के जन्मदिन पर अपनी खुशी को साझा किया। एक पिता की खुशी यह की उसके बेटे के पांव में अब उमसका जुता आने लगा है। एक पिता ने अपने बेटे के जन्मदिन पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बर्थडे सैलिब्रेट किया। ईश्वर से अपने पुत्र के लिए मंगल कामना की और इस खुशी को फेसबुक पोस्ट बनाया। जन्मदिन की ये खुशी वाली पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट का हिस्सा है।



2047 तक भारत बनेगा विकसित भारत : सतेन्द्र शिशौदिया



गाजियाबाद, करंट क्राइम : मंगलवार को नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर केंद्रीय बजट वित्त वर्ष 2026-27 को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।

सरकार का किसान, युवा और रोजगार पर विशेष फोकस

नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में बजट को बताया सुधार, सुशासन और समावेशी विकास का दस्तावेज



देश के सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। सतेन्द्र शिशौदिया ने कहा कि यह बजट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली 17 जीवनरक्षक दवाओं को सस्ता किया गया है, जिससे आम



किसान, युवा और रोजगार पर विशेष फोकस

करंट क्राइम : सतेन्द्र शिशौदिया ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि किसानों के लिए यह बजट नई उम्मीद लेकर आया है। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और बायो-फार्मा शक्ति को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। देश में 20 नए राष्ट्रीय राजमार्ग, जलान और चीन की तर्ज पर हाई-स्पीड ट्रेन व ट्रैक, बुंदेलखंड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास तथा रोजगार के नए अवसरों का सृजन बजट की बड़ी उपलब्धियाँ हैं।

उत्तर प्रदेश को मिलेगा दीर्घकालिक लाभ

करंट क्राइम : उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश आज एकसुलझे, औद्योगिक गलियारा, रक्षा उत्पादन, निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बन रहा है। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को साकार करने वाला बजट है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर देता है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, महानगर उपाध्यक्ष अभियान संयोजक रमिता सिंह, महानगर मंत्री अभियान सह संयोजक गुंजन शर्मा, सह संयोजक राजु पंचवाल, जिला संयोजक अमित चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



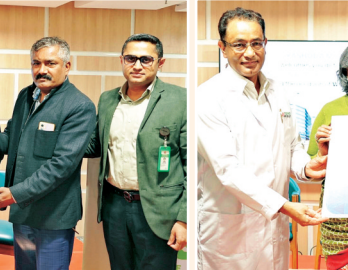
वर्क क्राइम : सतेन्द्र शिशौदिया ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि किसानों के लिए यह बजट नई उम्मीद लेकर आया है। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और बायो-फार्मा शक्ति को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। देश में 20 नए राष्ट्रीय राजमार्ग, जलान और चीन की तर्ज पर हाई-स्पीड ट्रेन व ट्रैक, बुंदेलखंड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास तथा रोजगार के नए अवसरों का सृजन बजट की बड़ी उपलब्धियाँ हैं।

यशोदा मेडिसिटी ने विश्व कैंसर दिवस पर 'व्यापक कैंसर देखभाल में प्रगति' पर किया सीएमई कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में रोगी-केंद्रित उन्नत कैंसर देखभाल और यशोदा हेल्थ कार्ड की शुरुआत को प्रमुखता दी गई



गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख अस्पतालों में से एक, यशोदा मेडिसिटी ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर व्यापक कैंसर देखभाल में प्रगति विषय पर कंटेंट-यूट्यूब मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैंसर उपचार में बहु-विषयक, तकनीक-सक्षम और रोगी-केंद्रित कार्यप्रणाली के महत्व पर जोर दिया गया। साथ ही, शीघ्र निदान, व्यक्तिगत उपचार और बेहतर दीर्घकालिक परिणामों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। यह पहल यशोदा मेडिसिटी की उस विशिष्टता से समर्थित है, जिसके अंतर्गत दक्षिण-पूर्व एशिया में कैंसर देखभाल प्रौद्योगिकियों का पहला और सबसे उन्नत संयोजन उपलब्ध है, जो एक ही प्रणाली के अंतर्गत एकीकृत, सटीक और रोगी-केंद्रित उपचार को सक्षम बनाता है।



सर्जरी, डॉ. निवेदिता ढींगरा, डायरेक्टर एवं हेड, हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट; डॉ. अभिषेक यादव, डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी; तथा डॉ. निखिल टंडन, कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी शामिल थे।

विशेषज्ञों ने कैंसर उपचार में उभरते रुझानों पर चर्चा की, जिसमें पर्सनलाइज्ड ऑन्कोलॉजी, प्रिंसीपल रीडिशन, उन्नत सर्जिकल एवं रोबोटिक तकनीकें तथा अन्य आधुनिक उपचार पद्धतियाँ शामिल हैं, जो उपचार की सटीकता, सुरक्षा और रोगी की शीघ्र रिकवरी को बेहतर बनाती हैं। उन्होंने सॉलिड ट्यूमर, ब्लड कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, महिलाओं से संबंधित कैंसर तथा दुर्लभ एवं जटिल कैंसरों के उपचार को सुदृढ़ करता है। इस सीएमई और यशोदा की रक्षाकृतिकता। साथ ही समय पर रेफरल, मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड,

तथा निदान से लेकर उपचार और सर्वाङ्गवर्षीय तक की सतत देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस सीएमई के दौरान यशोदा हेल्थ कार्ड का भी शुभारंभ किया गया। यह कार्ड मरीजों को रोकथाम, समय पर जांच और व्यक्तिगत उपचार योजना में सहायता प्रदान करता है और क्लिनिकल निर्णय-निर्माण में रोगियों को प्राथमिकता देने की यशोदा मेडिसिटी की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है।

डॉ. पी. एन. अरोड़ा, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने कहा, विश्व कैंसर दिवस केसर के विरुद्ध संघर्ष में जागरूकता, शीघ्र पहचान, क्लिनिकल उत्कृष्टता और करुणामय, रोगी-प्रथम दृष्टिकोण के महत्व को सुदृढ़ करता है। इस सीएमई और यशोदा की रक्षाकृतिकता। साथ ही समय पर रेफरल, मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड,

नोएडा प्राधिकरण ने अवैध निर्माण को बुल्डोजर से किया ध्वस्त

20 करोड़ रुपये मूल्य का क्षेत्र मुक्त



नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अधिसूचित ग्राम भनौता के खसरा संख्या-135 की जमीन पर अवैध निर्माण के खिलाफ बुधवार को बुल्डोजर चलाकर करीब 10 हजार वर्ग मीटर परिया पर हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया, जिसकी कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये होने का आकलन है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर परियोजना विभाग की वरक सर्कल दो की टीम ने यह कार्रवाई की।

कालोनाइज्ड बार्डर्री कर प्लॉटिंग की कोशिश कर रहे थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ सुमित यादव ने बताया कि वे कि अधिसूचित परिया में अनुमति के बिना या फिर बिना नक्शा पास कराए बिना अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई जारी रहेगी। एसीईओ ने अपील भी की है कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

महाप्रबंधक परियोजना एंड सिंहर ने बताया कि ग्राम भनौता के खसरा संख्या 135 की जमीन पर अवैध निर्माण की शिकायत प्राप्त हुई थी। वरक सर्कल दो की टीम ने प्राधिकरण के सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में मौके पर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया है। दोबारा निर्माण करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

वर्क क्राइम : सतेन्द्र शिशौदिया ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि किसानों के लिए यह बजट नई उम्मीद लेकर आया है। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और बायो-फार्मा शक्ति को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। देश में 20 नए राष्ट्रीय राजमार्ग, जलान और चीन की तर्ज पर हाई-स्पीड ट्रेन व ट्रैक, बुंदेलखंड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास तथा रोजगार के नए अवसरों का सृजन बजट की बड़ी उपलब्धियाँ हैं।

चिंटू जी

सीन 1

चिंटू जी - अरे मेरे पद के कुएँ में जमकर बैठे भगवा भाइयों। अब तो बाहर आ जाओ। अब तो इन तीनों को पद के कुएँ में उतरने का मौका दे दो।

अश्विनी शर्मा - मुझे देखो, उम्र लगातार बढ़ रही है। बाहर आ जाओ भाई।

रनिता सिंह - इस बार तो एक महिला के लिए ये सीट छोड़ दो। बाहर आओ मेरे भाइयों।

पंकज भारद्वाज - क्या एक किसान का बेटा महामंत्री नहीं बन सकता। देखो मेरी शवल स्वतंत्र जी से भी मिलती है।

सीन 2

राजेश त्यागी - इस कुएँ को अनुभव की जरूरत है। मुझे और सुशील भाई से ज्यादा कौन इसमें अनुभवी है।

सुशील गौतम - मुझे नहीं लगता इस कुएँ के बाहर कोई दुनिया है।

पणू पहलवान - परेशान मत होओ मेरे भाइयों। मुझे पता मेरा मामला निपट चुका है। मैं तो अंदर बस इन सब का टाइम पास कर रहा हूँ।

गोपाल अग्रवाल - इसमें रहकर ही हम अपने पद पर बने रहेंगे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियाँ माफ हों... नोट: चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

नो पार्किंग जोन से वाहन हटाने को जीडीए देगा 7 क्रेन आज होगा 4 स्मार्ट यातायात बूथों का शुभारंभ

पुलिस कमिश्नर ने किया ट्रैफिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहर में जाम और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ ने नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों को हटाने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) से 7 क्रेन की मांग की है, जो जल्द ही उपलब्ध कराई जाएंगी। इन क्रेनों को शहर के विभिन्न प्रमुख इलाकों में तैनात किया जाएगा। क्रेनों की तैनाती विशेष रूप से हापुड़ चुंगी, जिला मुख्यालय, पुराना बस अड्डा और रेलवे स्टेशन के आसपास की जाएगी, जहाँ अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-9 (एनएच-9) पर 4 स्मार्ट यातायात बूथों का शुभारंभ करेंगे। इन बूथों के माध्यम से सड़क हादसों में कमी लाने के लिए हाटस्पॉट और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर पुलिस की प्रभावित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

सीपी ने ट्रैफिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का किया निरीक्षण

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ ने बुधवार को पुलिस ऑफिस में बनाए गए ट्रैफिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कंप्यूटर स्क्रीन पर लाइव कैमरों की फीड को ज़ूम कर देखा। अब गाजियाबाद में होने वाले किसी भी वीआईपी कार्यक्रम और प्रमुख मार्गों से जुड़ा पूरा इलेक्ट्रॉनिक डाटा पुलिस के पास उपलब्ध रहेगा, जिससे ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षा और बेहतर हो सकेगी।

239 ट्रैफिक वालटियर निभाएंगे अहम भूमिका

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यातायात मित्र योजना के तहत अब तक 239 ट्रैफिक वालटियर्स का चयन किया जा चुका है। ये वालटियर प्रमुख आयोजनों, त्योहारों और जाम की स्थिति में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने में पुलिस का सहयोग करेंगे। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अवैध कट बंद करने, रोड सिग्नेज बोर्ड लगाने, यू-टर्न निर्माण और जाम मुक्त यातायात के लिए प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव भी लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही 13 प्रमुख स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहाँ ट्रैफिक सुधार और नियंत्रण के लिए अतिम योजना तैयार की जा रही है। बता दें कि पुलिस कमिश्नर हर माह ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर योजनाओं की प्रगति और लंबित कार्यों की समीक्षा करते हैं।

नोट : उठते सवाल का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

यूजीसी एक्ट के विरोध में अनशन को मिला समर्थन

पिंकी चौधरी ने मोदी आवास पर आमरण अनशन की चेतावनी दी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शिवशक्ति धाम डसन में यूजीसी एक्ट के विरोध में आमरण अनशन पर बैठे महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी और राजनगर स्थित अपने आवास पर अनशन कर रही डॉ उदिता त्यागी को तीसरे दिन भी व्यापक समर्थन मिला। हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने शिवशक्ति धाम पहुंचकर दोनों के समर्थन का ऐलान किया और कहा कि यदि यूजीसी एक्ट वापस नहीं लिया गया तो वह 10 फरवरी को हजारों कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के आवास पर आमरण अनशन करेंगे। पिंकी चौधरी ने आरोप लगाया कि

यह कानून हिंदू समाज को जातीय संघर्ष की ओर धकेलता है और इसे किसी भी स्थिति में लागू नहीं होने दिया जाएगा। वहीं, सेवामार त्यागी ने कहा कि सम्पूर्ण त्यागी समाज डॉ उदिता त्यागी के साथ संघर्ष करेगा। इस दौरान त्यागी समाज से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने लिखित समर्थन भी सौंपा।